[डा. सत्यनारायण जटिया]

को प्रकट करने में भी विलम्ब होता है, तब तक उनका परिवार और बाकी के लोग कष्ट में रहते हैं।

मेरी केंद्र सरकार से मांग है कि ऐसे असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले, सीवर की सफाई करने वाले कर्मचारी हैं, कामगार हैं, कुओं में काम करने वाले कामगार हैं, ऊंचाई पर चढ़कर काम करने वाले लोग हैं, बिजली की लाइन को सुधारने वाले लोग हैं- ऐसे जितने खतरे के काम हैं, जो लोग खतरे के काम करते हैं, ऐसे असंगठित क्षेत्र के लोगों को पूर्ण सुरक्षा दी जाए, उनको मुआवजा दिया जाए और सम्मानजनक जीवन जीने के लिए उनको अवसर दिए जाएं। आज हम निश्चित रूप से प्रतिष्ठा और अवसर की बात करेंगे, जो बाबा साहेब अम्बेडकर ने दिया है.....

SHRI JOSE K. MANI (Kerala): Sir, I associate myself with the issue Re-raised by the hon. Member.

SHRI M. SHANMUGAM (Tamil Nadu): Sir, I also associate myself with the issue raised by the hon. Member.

प्रो. मनोज कुमार झा (बिहार): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्रीमती कहकशां परवीन (बिहार): महोदय , मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

†**محترمہ کہکشاں پروین (بہار) :** مہودے، میں بھی مانّئے ممبر کے ذریعے اٹھائے گئے موضوع سے خود کو سمبدّھہ کرتی ہوں۔

श्री सभापति: श्रीमती सरोजिनी हेम्ब्रम। आप संथाली भाषा में बोलना चाहती हैं। मैंने इसके लिए अनुमति दी है।

Need to give Bharat Ratna to Pandit Raghunath Murmu of Santhali Samaj

श्रीमती सरोजिनी हेम्ब्रम (ओडिशा): धन्यवाद चेयरमैन साहब। आज मेरे लिए यह एक ऐतिहासिक दिन है, जो मैं संथाली भाषा में, पहली बार इस उच्च सदन में बोलने जा रही हूं। ओडिशा स्टेट में 62 टाइप के ट्राइबल कम्युनिटीज़ रहती हैं, उनमें से एक संथाली कम्युनिटी है। मैं उस कम्युनिटी से आती हूं। संथाली मेरी मातृभाषा है और ओल चिकी हमारी लिपि है। * माननीय सभापति महोदय, मुझे संथाली भाषा में बोलने का अवसर दिये जाने के लिए मैं आभार व्यक्त करती हूँ।

---

†Transliteration in Urdu Script.

*Hindi translation of the original speech made in Santhali.

माननीय महोदय ,संथाली भाषा की लिपि 'ओल चिकी' के अविष्कारक पंडित रघुनाथ मुर्मू को भारत रत्न की उपाधि से सम्मानित करने हेतु मैं सरकार से निवेदन करती हूँ। संथाल समाज के श्रद्धेय नेता का जन्म 1905 ई .में वैशाख पूर्णिमा के दिन ओडिशा राज्य के मयूरभंज जिले में हुआ था। पंडित रघुनाथ मुर्मू को समाज में धार्मिक नेता का दर्जा प्राप्त है । संथाल घरों में उनकी तस्वीर रखकर उनकी पूजा की जाती है।

माननीय महोदय, 1925 ई .में पंडित रघुनाथ मुर्मू ने 'ओल चिकी' लिपि का अविष्कार किया था। 1941 ईस्वी के बाद से कई नाटकों एवं पुस्तकों का प्रकाशन हुआ। इसके बाद वे सांस्कृतिक नेता के रूप में स्थापित हुए । 'मयूरभंज आदिवासी महासभा' द्वारा उन्हें 'गुरु गोमके' यानि 'महान शिक्षक' की उपाधि दी गयी । उन्होंने कई पुस्तकों की रचना की जो प्रकाशित हुई हैं संथाल समाज को एक सूत्र में जोड़े रखने के लिए आदिवासी समाज ,शिक्षा ,साहित्य के विकास के लिए संगठन बनाया | भाषा और साहित्य के विकास में उनका योगदान महत्वपूर्ण हैं।

ओडिशा राज्य के मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक ने उनके जन्मदिवस को स्वैच्छिक अवकाश घोषित किया है | मयूरगंज जिले के बारीपदा में 'पंडित रघुनाथ मुर्मू मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल' उनके नाम पर है।

माननीय महोदय, इस सदन में आपके माध्यम से सरकार से मेरा निवेदन है कि इसे स्वीकार किया जाए "|

MR. CHAIRMAN: Time is over.

श्रीमती सरोजिनी हेम्ब्रम: सर, एक मिनट।

प्रो. मनोज कुमार झा : महोदय, मैं माननीय सदस्या द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

श्री सभापति: * "माननीय सदस्य ,अपनी मातृभाषा में बोलने के लिए आपका धन्यवाद"।

Hon. Members, I would like to inform you that Santhali has today been spoken for the first time on the floor of the Rajya Sabha, and that too, by a lady Member.

You would also be glad to know that the interpretation from Santhali to Hindi was done under the new scheme by an empanelled Consultant for Santhali, who is not a regular employee of the Secretariat, but a PhD student.

Now, we will further continue with Zero Hour. Shri P.L. Punia.

As decided earlier, now, Mr. Deputy Chairman will preside over and also during

*Hindi translation of Santhali portion.

[श्री सभापति]

Question Hour. Yesterday, we had a new experiment and Shri Sukhendu Sekhar Ray presided over Question Hour. He successfully conducted the proceedings. ...*(Interruptions)*...

SHRI JAIRAM RAMESH (Karnataka): We will miss you, Sir. ...*(Interruptions)*...

MR. CHAIRMAN: You will never miss me. I am there in my Chamber. ...*(Interruptions)*...

(MR. DEPUTY CHAIRMAN *in the Chair.*)

Need to formulate a comprehensive scheme to stop Child labour

श्री पी.एल. पुनिया (उत्तर प्रदेश): माननीय उपसभाषति जी, मैं आपका आभारी हूं कि आपने मुझे एक बहुत ही महत्वपूर्ण विषय पर अपने विचार रखने का अवसर दिया है। यह विषय चाइल्ड लेबर को रोकने और इससे जुड़ी समस्याओं से संबंधित है। हर वर्ष 12 जून को, "बाल श्रम विरोधी दिवस" के रूप में पूरी दुनिया में मनाया जाता है। हम लोग बाल श्रम को रोकने के लिए संकल्प भी लेते हैं। ILO की रिपोर्ट के अनुसार पूरी दुनिया में 15 करोड़ 20 लाख चाइल्ड लेबर हैं। हिन्दुस्तान में करीब 7 से 8 करोड़ बच्चे निःशुल्क और अनिवार्य शिक्षा से वंचित रहते हैं। उनमें से लगभग 1 करोड़ बच्चे मजदूरी कर रहे हैं।

महोदय, इसके अतिरिक्त हर साल हजारों बच्चे ट्रैफिकिंग के जरिए नेपाल और बंगलादेश से भी भारत में लाए जा रहे हैं। इन बच्चों की कीमत तो जानवरों से भी कम होती है। घरेलू बाल श्रमिकों में बालिकाओं की संख्या सबसे ज्यादा है और कारखानों में बालकों की संख्या सबसे ज्यादा है। भारत में बाल श्रमिकों के उत्थान के लिए कई योजनाएं चल रही हैं और कई कानून भी बने हैं, लेकिन फिर भी इस पर पूरी तरह से प्रतिबन्ध नहीं लग पा रहा है। जिस उम्र में बच्चों के हाथों में कलम और किताब होनी चाहिए उस उम्र में ये बच्चे मजदूरी करके अपना पेट पालने को मजबूर हैं।

महोदय, मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि बाल श्रमिकों के उत्थान के लिए व्यापक कार्य-योजना बनाई जाए। बाल मजदूरी से मुक्ति के बाद उनके पुनर्वास, शिक्षा और मुख्य-धारा में लाने के लिए बनी योजनाओं को सही तरीके से लागू किया जाए, धन्यवाद।

श्रीमती कहकशां परवीन : महोदय, मैं माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को सम्बद्ध करती हूं।

†**محترمہ کہکشاں پروین** (بہار) : مہودے، میں مانئے ممبر کے ذریعے اٹھائے گئے موضوع سے خود کو سمبدّھہ کرتی ہوں۔

†Transliteration in Urdu Script.